B-IV
L-23
Economy

3. रिवर्स रेपो दर (Reverse Repo Rate)

ब्याज की दर जिस पर वाणिज्यिक बैंक RBI के पास अपनी अतिरिक्त तरलता को जमा करवा सकते हैं।

उपयुक्त सन्दर्भ में RBI बैंकों को G-Sec देकर उनकी Repurchase का वादा करता है।

Note:-

SDF rate के लागू होने के बाद RRR का महत्व कम हो गया है।

वर्तमान में इसका स्तर 3.35 प्रतिशत है।

इसे FRRR (Fixed Reverse Repo Rate) कहते हैं।

4. SDF Rate (Standing Deposit Facility Rate)

↳ अप्रैल 2022 में शुरू

ऊर्जित पटेल समिति की सिफारिशों पर

↳ इसके अन्तर्गत बैंक Overnight (एक दिन के लिए) RBI के पास अपनी तरलता जमा करवा सकते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
Scanned by CamScanner

रिजर्व बैंक को G-Sec देने की आवश्यकता नहीं होती है। इसलिए, इसे UDF भी कहते हैं।
(Uncollateralised Deposit Facility)

Note:-
रिजर्व बैंक द्वारा यह कहा गया कि SDF Rate को RR की तुलना में 25 आधार बिंदु (0.25%) नीचे रखा जायेगा।

वर्तमान में RR 6.50% है, इसलिए SDF Rate 6.25% है।

SDF Rate के आधार पर धन जमा करने के लिए बैंक RBI के प्लेटफॉर्म e-Kuber का प्रयोग कर सकते हैं।

SDF Rate के आने के बाद Rate corridor (दर गलियारा) के निर्माण में FRRR/RRR की भूमिका नगण्य हो गई है।

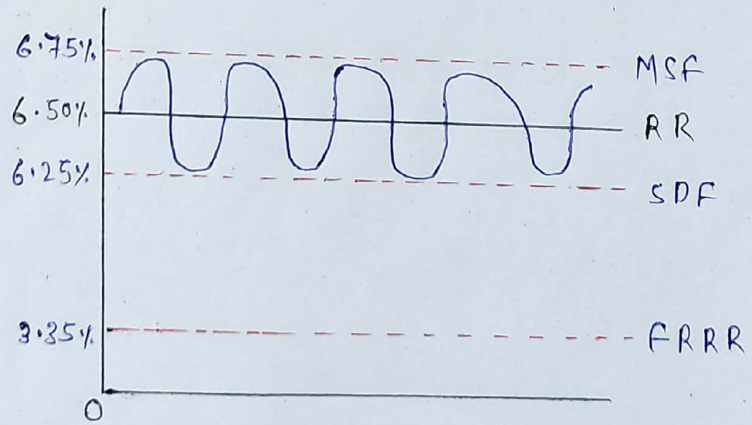

Scanned by CamScanner

5- MSF दर (Marginal Standing Facility) :-

इसे मई 2011 में लागू किया गया ।

इसके अंतर्गत बैंक Overnight के लिए RBI से धन उधार ले सकते हैं।

सीमा : NDTL के 2% तक

└ Net Demand and Time Liabilities

RBI ←——→ Bank

Bank Rate, Repo Rate, RRR, SDF Rate, MSF Rate

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Trusted Learning Platform KHAN SIR

6- BPLR - Benchmark Prime Lending Rate :-

बैंकों द्वारा अपने Good-borrowers (अच्छे उधारकर्ता) से वसूली जाने वाली ब्याज दर ।

7- Base Rate (आधार दर) :- 2010 में शुरू

↓ दीपक मोहन्ती की समिति की सिफारिशों पर।

वह दर जिसके नीचे बैंक अपनी BPLR नहीं ले जा सकते ।

Scanned by CamScanner

Note :

अन्य घटकों के अलावा, Base Rate की गणना में Average Cost of Funds (कोषों की औसत लागत) को मुख्य रूप से आधार बनाया जाता है।

8. MCLR ⇒ (Marginal Cost of Funds-based Lending Rate) :

2016 में शुरू (P.T)

इसके अन्तर्गत BPLR के न्यूनतम स्तर के निर्धारण में कोषों की सीमान्त लागत को आधार बनाया जाता है।

रेपो दर में किसी परिवर्तन के बाद में ली जाने वाली नई जमाओं की ब्याज दर को कोषों की सीमान्त लागत में सम्मिलित किया जाता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

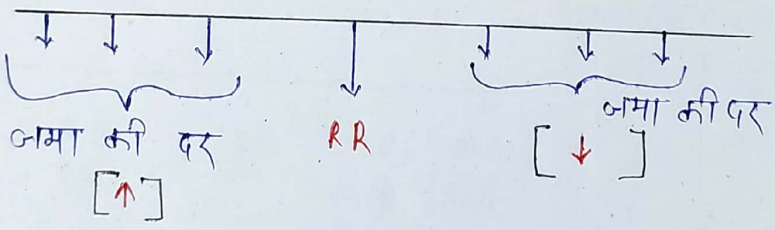

9. EBLR : External Benchmark-based Lending Rate :

Oct ⇒ 2019 में प्रारंभ
⇓
जनकराज समिति की सिफारिशों पर।

Scanned by CamScanner

इसके अन्तर्गत बैंक निम्न में से किसी एक को आधार बना कर BPLR का निर्धारण कर सकते हैं:-

(i) रेपो दर।

(ii) Yield Rate (91-days Treasury Bills)

(iii) Yield Rate (182-days Treasury Bills)

अंकितमूल्य→ ₹100 $\quad ₹\frac{20}{₹80} \times 100$

Note:- इस व्यवस्था को Personal, Auto, MSMEs, Housing आदि ऋणों तथा Floating Rate Loans पर लागू किया गया है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Banking Rate

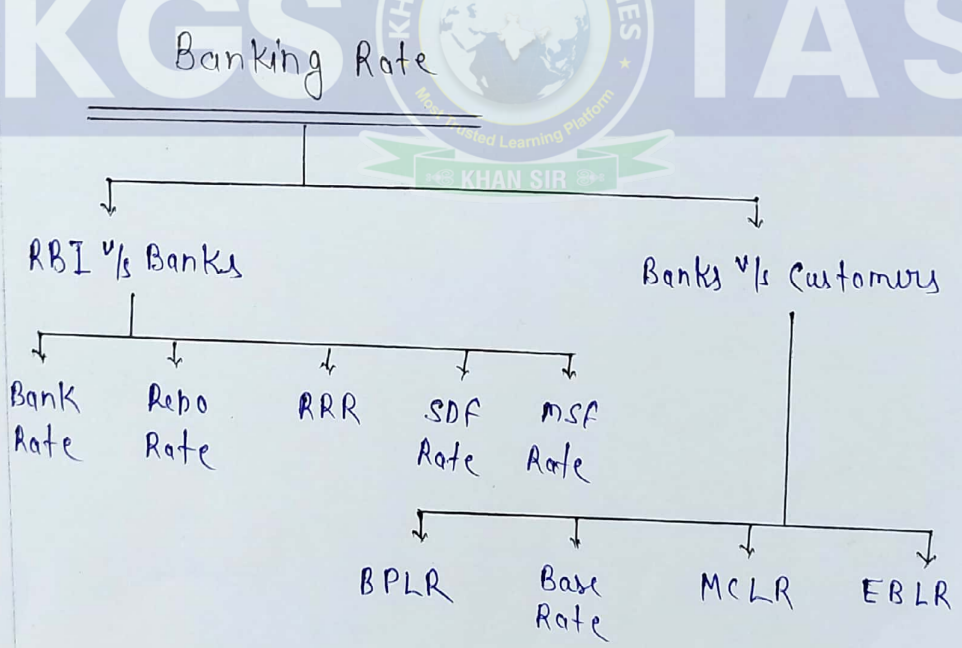

- RBI v/s Banks
  - Bank Rate
  - Repo Rate
  - RRR
  - SDF Rate
  - MSF Rate
- Banks v/s Customers
  - BPLR
  - Base Rate
  - MCLR
  - EBLR

Scanned by CamScanner